भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 568
गुरूवार, 07 दिसंबर, 2023/16 अग्रहायण, 1945 (शक)

औपचारिक क्षेत्र के रोजगार

568 श्री मोहम्मद नदीमुल हकः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार हर साल 2 करोड़ नौकरियां सृजित करने के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही है;

(ख) वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2022-23 तक सृजित औपचारिक नौकरियों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि 2021-22 के लिए औपचारिक क्षेत्र का रोजगार 2019-20 की तुलना में 5.8 प्रतिशत कम था, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या यह सच है की वर्ष 2019-20 और 2021-22 के बीच औपचारिक नियोक्ताओं की संख्या में भी 10.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों का अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) निम्नानुसार है:

वर्ष	**कामगार जनसंख्या अनुपात (% में)**
2018-19	47.3
2019-20	50.9
2020-21	52.6
2021-22	52.9
2022-23	56.0

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में रोजगार को दर्शाने वाले कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में वृद्धि की प्रवृत्ति है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकडें, औपचारिक क्षेत्र के मध्यम और बड़े प्रतिष्ठानों में कामगारों को कवर करते हैं। ईपीएफओ सितंबर, 2017 से अपने मासिक पेरोल आंकडें प्रकाशित कर रहा है जो औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के स्तर का अंदाजा देते हैं। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 के दौरान ईपीएफ ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि इस प्रकार है:

वर्ष	**शुद्ध वेतन वृद्धि (संख्या में)**
2018-19	61,12,223
2019-20	78,58,394
2020-21	77,08,375
2021-22	1,22,34,625
2022-23	1,38,51,689

स्रोत: ईपीएफओ पे-रोल आंकड़ें

ईपीएफ ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि वर्ष 2019-20 में 78.58 लाख की तुलना में वर्ष 2021-22 के दौरान बढ़कर, 1.22 करोड़ हो गई है, इसमें 55.7% की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2021-22 के दौरान कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में योगदान करने वाले सदस्यों का औसत 4.63 करोड़ था जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 6.85 करोड़ हो गया है। इसके अलावा, वर्ष 2021-22 के दौरान योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों की औसत संख्या 5.91 लाख थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 7.19 लाख हो गई है।

*****